सोने का पिंजरा

(कहानी)

2

एक शहर में कपड़े का एक बहुत बड़ा व्यापारी था। आस-पास के गाँवों के लोग उसकी दुकान पर कपड़ा ख़रीदने आते थे। सेठ कभी-कभी अपने ग्राहकों को उधार कपड़ा भी देता था। इसलिए आसपास के गाँवों में सेठ को उगाही करने जाना पड़ता था।

एक बार सेठ गाँव में उगाही करने गया था। वहाँ से लौटते समय एक पेड़ के नीचे वह आराम करने बैठ गया और थोड़ी ही देर में उसे नींद आ गई। जब वह नींद से जागा तो उसने अपने आस-पास तोतों का समूह देखा। हरे रंग, लाल चोंच और गले पर काली पट्टी वाले तोतों को देखकर सेठ ने सोचा– "कितने सुंदर हैं ये तोते! एक-दो तोतों को साथ ले जाऊँ तो परिवार के लोग बहुत ख़ुश होंगे।"

यह सोचकर सेठ ने अपना गमछा तोतों के झुंड पर फेंका और एक तोता पकड़ लिया। इस तोते को सेठ अपने घर ले गया।

सेठ ने घर पहुँचकर तोते के लिए सोने का पिंजरा बनवाया। उसमें तोते के लिए बैठक और एक झूला रखवाया। पानी पीने के लिए कटोरी और खाने के लिए एक छोटी-सी तश्तरी भी रखवाई। तोता सोने के पिंजरे में रहने लगा। उसे अमरूद, मिर्च, आदि मनपसंद वस्तुएँ खाने को दी जाने लगीं। घर के बच्चे तथा सेठ तोते से बातें भी करते।

तोता थोड़ा-थोड़ा बोलना भी सीख गया। तोते के साथ बातें करने में सबको बहुत आनंद आने लगा।

दूसरी बार जब सेठ उगाही करने निकला तो उसने तोते से कहा, "तोतेराम, मैं उगाही करने जा रहा हूँ। लौटते समय मैं तेरे माता-पिता व सगे-संबंधियों से मिलूँगा। तुझे उनके लिए कोई संदेश भेजना हो तो बता?"

तोते ने कहा, "सेठ जी, उन सबसे कहना, तोता भूखा नहीं है, तोता प्यासा भी नहीं है। तोता सोने के पिंजरे के अंदर आनंद से रह रहा है।"

सेठ उगाही कर लौटते समय उसी पेड़ के नीचे आराम करने के लिए रुका। तभी तोतों का एक समूह उस पर टूट पड़ा। वे उसे चोंच से मारने लगे। उनमें से एक तोते ने सेठ से पूछा, "सेठजी, हमारा तोता क्या कर रहा है?"

सेठ ने उन्हें शांत करते हुए कहा, "तोता भूखा नहीं है, तोता प्यासा नहीं है। तोता सोने के पिंजरे के अंदर आनंद कर रहा है।"

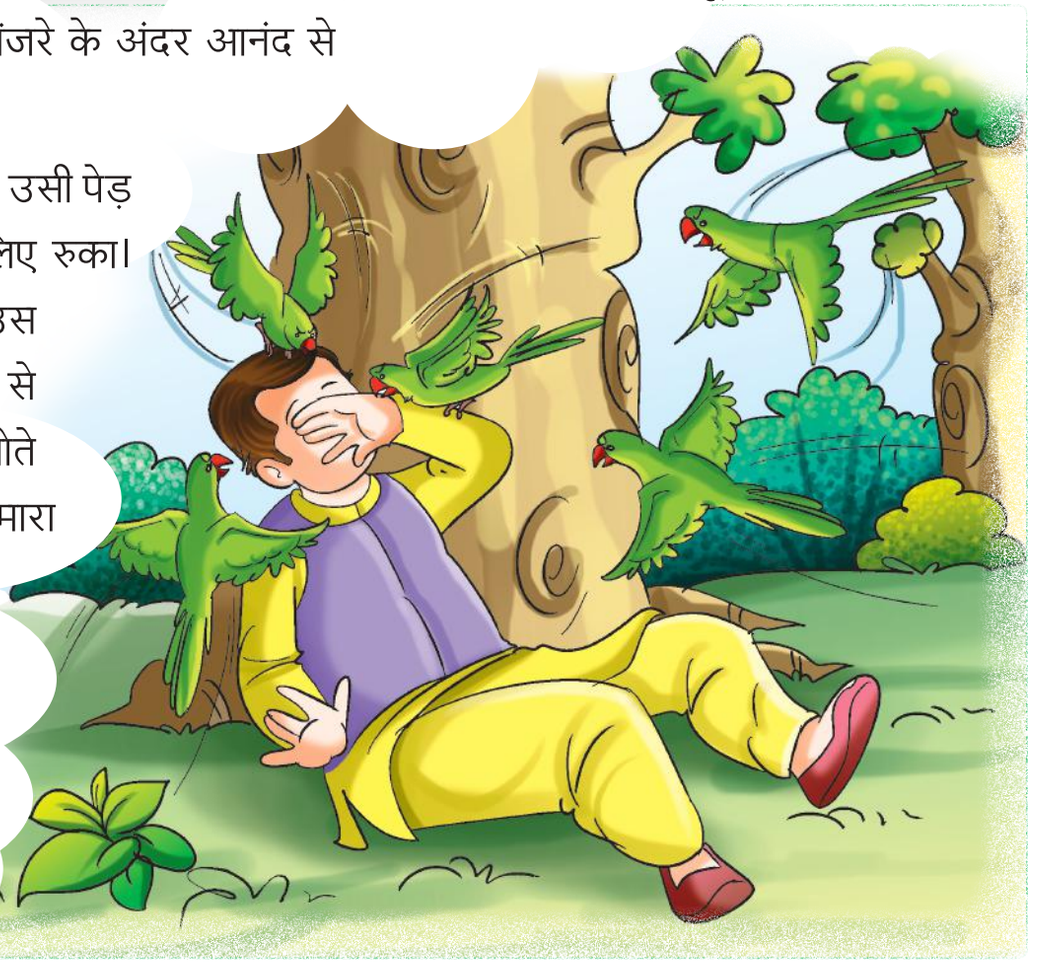

यह सुनकर सभी तोते बिना कुछ बोले जमीन पर मुर्दों की तरह लुढ़क गए। सेठ उनके पास गया उसने तोतों को हिला-डुलाकर देखा, पर ऐसा लगा जैसे सारे तोते आघात से मर गए हों।

सेठ जी घर पर आए। सेठ को देखते ही तोते ने अपने माता-पिता एवं सगे-संबंधियों के समाचार पूछे।

सेठ ने कहा, "तेरे माता-पिता और सगे-संबंधियों को जब मैंने तेरा संदेश सुनाया तो सभी लुढ़क गए। क्या उन्हें आघात लगा होगा?"

पिंजरे के तोते ने कोई जवाब नहीं दिया। सेठ की बात सुनकर वह स्वयं भी पिंजरे में झूले से नीचे गिर पड़ा। सेठ ने यह देखा तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ। उसने पिंजरे का दरवाज़ा खोला और तोते को हिला-डुलाकर देखा। सेठ जी को लगा वह तोता भी आघात से मर गया। सेठ जी ने तोते को पिंजरे से बाहर निकालकर थोड़ी दूरी पर रख दिया। मौक़ा देखकर तोता पंख फड़फड़ाता हुआ उड़ गया।

जाते-जाते उसने कहा, "सेठ जी, मैं आपका आभारी हूँ। मुझे अपने माता-पिता का संदेश मिल गया है। मैं उनसे मिलने जा रहा हूँ। आपका पिंजरा सोने का था, लेकिन वह पिंजरा था। मेरे लिए वह जेल थी।" तोता उड़ता हुआ जंगल में अपने माता-पिता और सगे-संबंधियों के पास पहुँच गया। उसे लौटकर आया हुआ देख सब खुश हो गए। अब मुक्त वातावरण में तोता सबके साथ आनंद से रहने लगा।

शब्द-अर्थ

उगाही — वसूली, उधार दिए गए पैसे वापस लेना *(recovery)*,
संबंधी — रिश्तेदार *(relatives)*,
आनंद — ख़ुशी *(happy)*,
समूह — झुंड *(group)*,
संदेश — सूचना *(news)*,
मुक्त — आज़ाद *(independent)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

ग्राहक	पट्टी	संदेश	वातावरण	आनंद
आघात्	मुक्त	प्यासा	संबंधी	आभारी

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) सेठ किस चीज़ का व्यापारी था?
(ख) सेठ को आस-पास के गाँवों में क्यों जाना पड़ता था?
(ग) सेठ ने अपने आस-पास किसका समूह पाया?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) तोते के गले पर पट्टी थी–

- ☐ लाल
- ☐ सफ़ेद
- ☐ काली
- ☐ नीली

(ख) सेठ ने तोतों के झुंड पर फेंका–

- ☐ जाल
- ☐ टोकरी
- ☐ चादर
- ☐ गमछा

(ग) तोते का पिंजरा था–

- ☐ लकड़ी का
- ☐ प्लास्टिक का
- ☐ चाँदी का
- ☐ सोने का

४. सही शब्द भरकर रिक्त स्थान भरो–

तोता, जवाब, पेड़, बोलना

(क) सेठ ..... के नीचे आराम करने बैठ गया।

(ख) सेठ ने एक ..... पकड़ लिया।

(ग) तोता थोड़ा-थोड़ा ..... भी सीख गया।

(घ) पिंजरे के तोते ने कोई ..... नहीं दिया।

3. सही या ग़लत का निशान लगाओ–

(क) सेठ उधार नहीं देता था। ☐

(ख) पेड़ के नीचे सेठ जी को नींद आ गई। ☐

(ग) सेठ जी ने चार तोते पकड़ लिए। ☐

(घ) मौक़ा पाकर तोता उड़ गया। ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) तोतों को देखकर सेठ जी ने क्या सोचा?

(ख) सेठ जी ने पिंजरे में क्या-क्या रखवाया?

(ग) तोते ने अपने माता-पिता को क्या संदेश भिजवाया?

(घ) सेठ जी ने तोते को पिंजरे से बाहर क्यों निकाला?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़ो, समझो और इसी प्रकार के दो-दो शब्द और लिखो–

ं — संदेश जंगल ....

ँ — गाँव वहाँ ....

ॅ — कॉफ़ी डॉल ....

2. 'मैं' या 'मैं' लिखकर वाक्य पूरे करो–

(क) मैं आपका आभारी हूँ।

(ख) सेठ गाँव ..... उगाही करने गया था।

(ग) तोता सोने के पिंजरे ..... रहने लगा।

(घ) ..... उनसे मिलने जा रहा हूँ।

3. शब्दों में प्रयोग हुए संयुक्त व्यंजन अलग करो और उनसे बनने वाला एक-एक शब्द लिखो–

	संयुक्त व्यंजन	नया शब्द
मुक्त	.....	.....
व्यापारी	.....	.....
वस्तु	.....	.....
प्यासा	.....	.....

क्रियात्मक गतिविधि

- कल्पना कीजिए कि आप जंगल में रास्ता भटक गए। अचानक आपको एक गुफा दिखाई दी। आप चैन की साँस ले रहे हैं कि इतने में एक शेर आ गया तब आपकी क्या प्रतिक्रिया रही? कक्षा में चर्चा कीजिए।